Cognitive Psychology   Paper – II

Q-:5. Discuss the Origin and Current Status of Cognitive Psychology.

संज्ञानात्मक मनोविज्ञान की उत्पति एवं वर्तमान स्थिती की व्याख्या करें

'Or'

Throw light upon the historcial development of the Cognitive Psychology.

संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के ऐतिहासिक विकास पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालें।

Ans-: जहाँ तक Cognitive Psychology के उत्पति एवं वर्तमान स्थिती को जानने का प्रश्न है तो इसे जानने के लिए हमें Cognitive Psychology का History को जानना होगा। किसी भी चीज की वर्तमान स्थिती जानने के लिए उसके Historcial development को जान लेना जरूरी हो जाता है। इसके बाद ही उसके वर्तमान स्थिती की समीक्षा हो जाती है।

Cognitive Psychology के History की शुरूआत आज से करीब 120 साल पहले मानी जाती है। सन 1950 ई० में Boring ने (बोरिंग) भी कहा है कि आरंभिक ग्रीक दर्शन शास्त्रियो ने यह जानना चाहा था कि लोग किस तरह तरह से ज्ञान अर्जित करते है। सबसे पहले सन 1879 ई० में विलियम वुन्ट ने जर्मनी के लिपजींग विश्वविद्यालय में मानसिक प्रक्रियाओ का अध्ययन करने के लिए एक प्रयोगशाला की स्थापना किया था। और यही प्रयोगशाला Psychology को एक वैज्ञानिक रूप प्रदान किया। यह प्रयोगशाला विश्व की सबसे पहली मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला थी। वुन्ट का कहना था कि Psychology के अन्तर्गत मानसिक प्रक्रियाओ का अध्ययन किया जाता है। इस मानसिक प्रक्रियाओ का अध्ययन करने के लिए निरीक्षण विधि का प्रयोग किया जाता है। अतः निरीक्षण विधि कई अर्थो में "Cognitive research method" से मिलती जुलती थी। वुन्ट ने यह स्पष्ट रूप से बता दिया था कि उच्चतर मानसिक प्रक्रियाएं जैसे चिंतन, भाषा तथा समस्या समाधान इत्यादि का अध्ययन प्रयोगशाला में अंतः निरीक्षण विधि द्वारा होता है।

लेकिन वुण्ट के इस विचार को Oswald, Kulpe, ने उस विश्वविद्यालय में शोधकार्य करके इसे गलत ठहराया। उसने बताया कि किसी समस्या के समाधान के दौरान प्रयोज्यो के मन में किसी तरह की कोई प्रतिमा नहीं आती है। इसे प्रतिमा रहित चिंतन कहा जाता है। वर्तमान समय में Cognitive Psychology के लिए वुण्ट के द्वारा जो अन्य मानसिक प्रक्रियाओ का अध्ययन किया गया, एक वरदान साबित हुआ है। वुण्ट ने बताया कि Attecion, Cognitive का एक महत्वपूर्ण भाग है। Concept Performation के क्षेत्र में किया गया अध्ययन भी Cognitive Psychology के लिए एक नींव के समान है। आधुनिक समय में Semantic memory के क्षेत्र में किए गए Research के लिए प्रेरणा स्त्रोत साबित हुए है।

सन 1980 में William James ने Principles of Psychology नामक पुस्तक प्रकाशित किया। जिसमें मानव अनुभुतियो के बारे में विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया। William James ने Memory की Theory का भी वर्णन किया। Memory को भी उन्होंने दो भागो में बाँटा है। एक को Primary memory तथा दूसरा Secondary memory है। Primary memory को Short term तथा Secondary memory को long term memory कहा जाता है। Cognitive Psychology को memory की theory से भी काफी फायदा हुआ।

सन 1900 के लगभग मनोवैज्ञानिको ने अंतःनिरीक्षण विधि का खुलकर विरोध करने लगें। खास करके व्यवहारवादियो ने इसका खुलकर विरोध करने लगें किया। सन 1913 ई० में J. B. Watson ने व्यवहारवाद की स्थापना किया। उन्होंने बताया कि किसी भी प्राणी के बारे में उसके व्यवहार को देखकर निष्कर्ष निकाला जा सकता है। Watson ने व्यवहार को अध्ययन करने के लिए Observation method का उपयोग किया। व्यवहारवादियों ने प्रतिमा, विचार, चिंतन इत्यादि को अस्वीकृत कर दिया। उनका कहना है कि चिंतन एक प्रकार का Sub Vocial speach है।

इस प्रकार हम यह देखते है कि व्यवहारवादियो ने मानसिक क्रियाओ के अध्ययन को अस्वीकृत कर दिया, फिर भी Cognitive Psychology के विकास में व्यवहार-

वादियों के बाद Gestalt मनोवैज्ञानिकों का स्थान आता है। गेस्टाल्ट वादियों में वर्थाइमर, कोफ्का, कोहलर इत्यादि का नाम महत्वपूर्ण है। इन लोगों का कहना है कि किसी चीज का प्रत्यक्षीकरण सम्पूर्णता के रूप में होता है न कि विभिन्न अंशों में बाँटकर। गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि किसी भी Problem का Solution insight के आधार पर किया जा सकता है। वर्तमान समय में Cognitive Psychology के लिए गेस्टाल्ट वादियों का यह अध्ययन काफी महत्वपूर्ण बन गया।

सन् 1950 तथा 1960 ई० के बीच में Cognitive Process के अध्ययनों में काफी रूची दिखाई गई। इसी समय को ही सही मायनें में Cognitive Revolution की संज्ञा दी गई। इस Revolution के पीछे मुख्य रूप से पाँच पूर्वकथों को महत्वपूर्ण माना गया जिनकी व्याख्या कर देना भी जरूरी हो जाता है।

1. मनोवैज्ञानिकों में व्यवहारवादियों से (घोर) असंतोष उत्पन्न हो गया था। इस समय लोग यह समझ नहीं पा रहे थे कि जटिल मानव व्यवहार की व्याख्या अधिकतम Theory के मात्र नियमों एवं संप्रत्ययों द्वारा किस प्रकार होता है।

2. वर्तमान समय में Computer Science, Communication Science, Information Technology का इतना विकास हुआ है कि Cognitive Psychology के लिए एक महत्वपूर्ण विषय बन गया। Information Processing Approach Cognitive Psychology का एक महत्वपूर्ण Approach है। इस Approach के अनुसार सूचनाओं से विभिन्न अवस्थाओं के एक निश्चित क्रम में निपटा जाता है। प्रत्येक अवस्था का एक खास कार्य होता है। उसके बाद सूचना को अगले अवस्था में संसोधित होने के लिए भेज दिया जाता है।

3. Skinner (1936) ने बताया कि व्यक्ति operant behaviour को सीखता है लेकिन Noam chomsky (1957) ने Skinner के विचारों को Reject कर दिया। Noam chomsky का कहना है कि भाषा का प्रयोग सीखने में ~~Process~~ Psychological

Process का महत्वपूर्ण हाथ होता है। Noam chomsky तथा उसके साथियों ने मनोभाषा विज्ञानियों को यह स्पष्ट रूप से बताया कि मनुष्यों में भाषा सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। यानि भाषा अर्जित होती है। Noam chomsky के इस विचार-धारा से आधुनिक Cognitive Psychologist को भाषा ग्रहण की प्रक्रिया का अध्ययन करने में मदद मिली है।

4. 1950 ई० के लगभग Memory के क्षेत्र में नए-नए Research किए गए। इन शोधकर्ताओं में Waugh and Norman, Atkinson and Shiffrin (1968), Murdock (1970) इत्यादि का नाम प्रमुख है। इन लोगों का कहना है कि Memory में संगठन की प्रक्रिया पाई जाती है।

5. Jean Piaget ने भी Psycho Cognitive Psychology के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हें Development Psychology के क्षेत्र में एक जाने माने हस्ती माना जाता है। इनका Cognitive Psychology के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण Ground है। उन्होंने Cognitive Psychology के विकास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। Cognitive Psychology में Information Processing Approach पर भी काफी जोर दिया। इसमें मूल रूप से वयस्कों के चिंतन प्रक्रियाओं का वर्णन किया गया है। Piaget ने एक विस्तृत theory भी विकसित किया। इसमें कुछ ऐसे नियम होते हैं जो Cognitive Psychology की व्याख्या करने में काफी सफल रहा।

Conclusion → इस प्रकार अंत में उपरोक्त बातों से हम यह कह सकते हैं कि Cognitive Psychology का Historical विकास Information Processing Approach के कारण ही हुआ। वर्तमान समय में Cognitive Psychology का इतना विकास हो चुका है कि वह Computer Science संचार विज्ञान तथा भाषा विज्ञान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।